24.12.19 पत्रावली पेश। वादी एवं वादी वकील अनुपस्थित। रूक रूक कर तीन बार आवाज लगाई गई। कोई उपस्थित नहीं हुआ। इससे यह प्रतीत होता है की वादी अपने वाद को लेकर गम्भीर नहीं है। अतः अदम हाजरी अदम पैरवी मे खारीज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर होकर नम्बर से कम हो।

Scanned by CamScanner

Signature Not Verified
Digitally signed by Bhupendra Kumar Yadav
Date: 2020.01.01 10:51:04 IST
Reason: SelfAttested